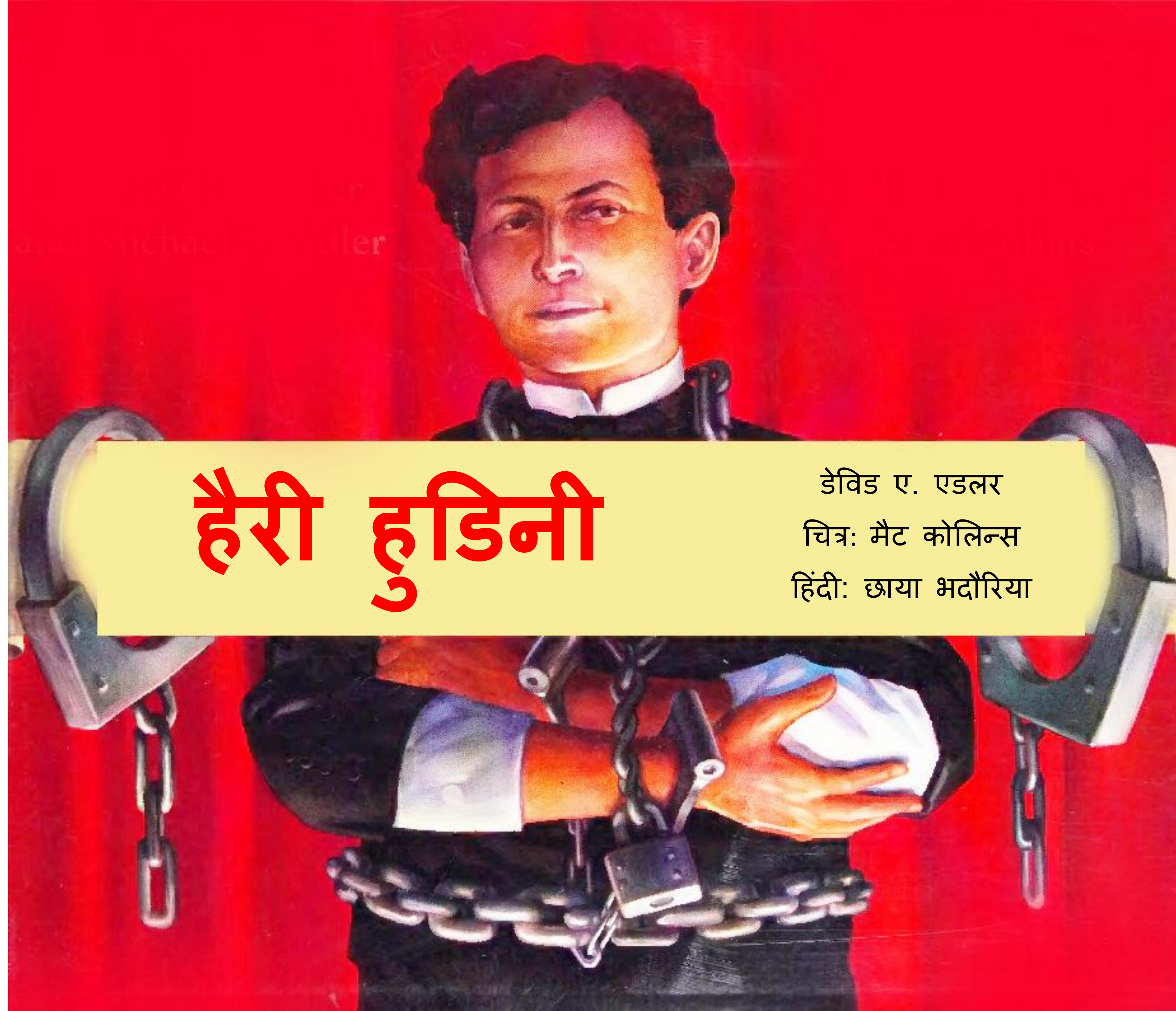


हैरी हुडिनी

डेविड ए. एडलर
चित्र: मैट कोलिन्स
हिंदी: छाया भदौरिया

हैरी हुडिनी ने अपनी मौत को चुनौती देने वाले करतबों और भ्रमों से दुनिया भर के दर्शकों को चकित कर दिया। अपनी पत्नी बेस के अक्सर अपने साथ रहने से, वह खुद को रस्सियों, हथकड़ियों, स्ट्रेटजैकेट और जेल की कोठरियों से मुक्त कर लेते थे। एक बार तो उसने दस हज़ार पाउंड के हाथी को हवा में गायब कर दिया था! फिर भी हैरी की ज़िंदगी हमेशा इतनी शानदार नहीं रही। जब वह छोटा था, तो वह जूते पॉलिश करता था और पेट पालने के लिए छोटे-मोटे काम करता था। लेकिन हैरी के लिए जादू में करियर बनाना हमेशा से ही तय था।

पाठक इतिहास के सबसे प्रसिद्ध एस्केप आर्टिस्ट और जादूगरों में से एक की इस आकर्षक जीवनी से मंत्रमुग्ध हो जाएँगे।

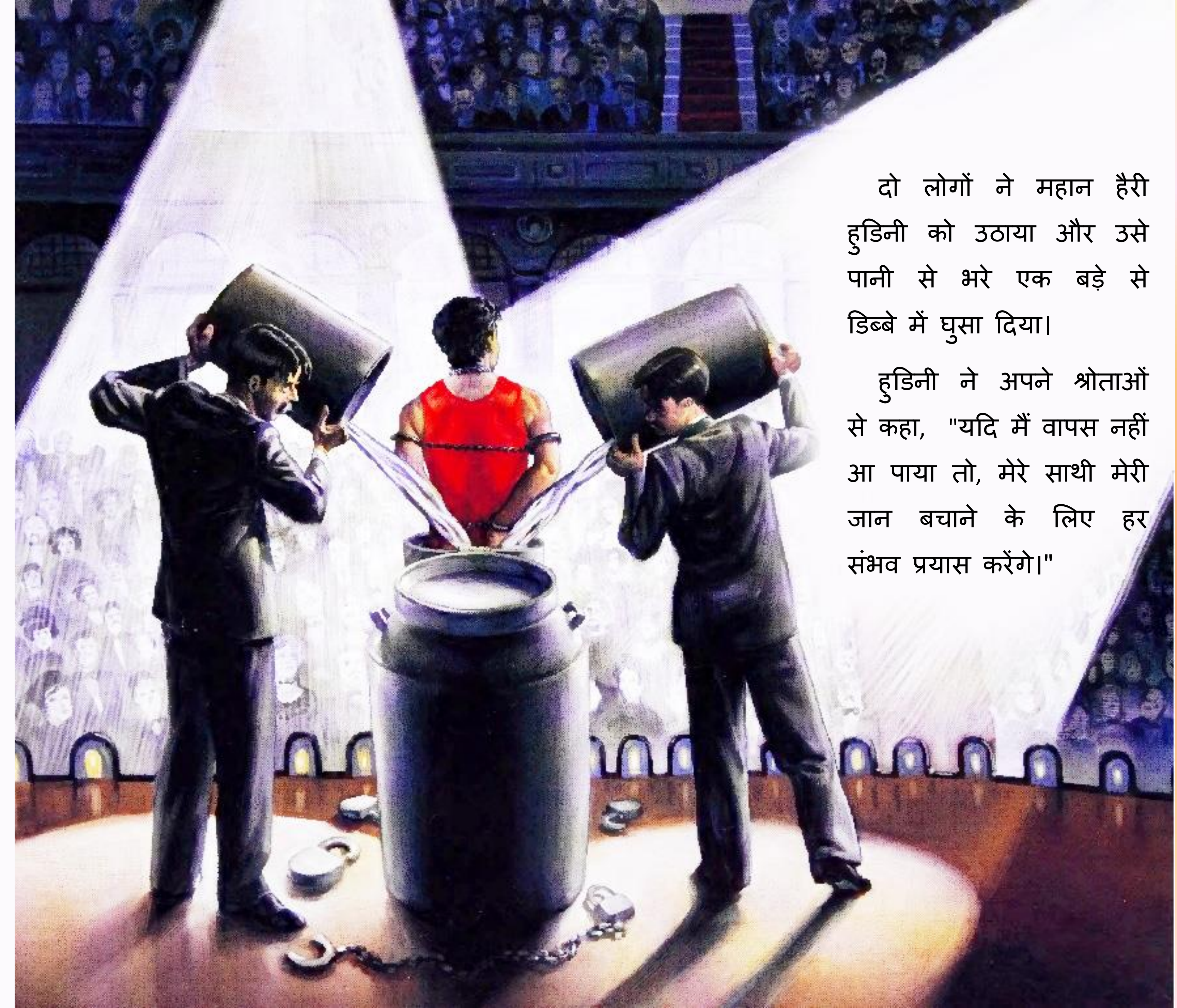
हैरी हुडिनी

डेविड ए. एडलर

चित्र: मैट कोलिन्स

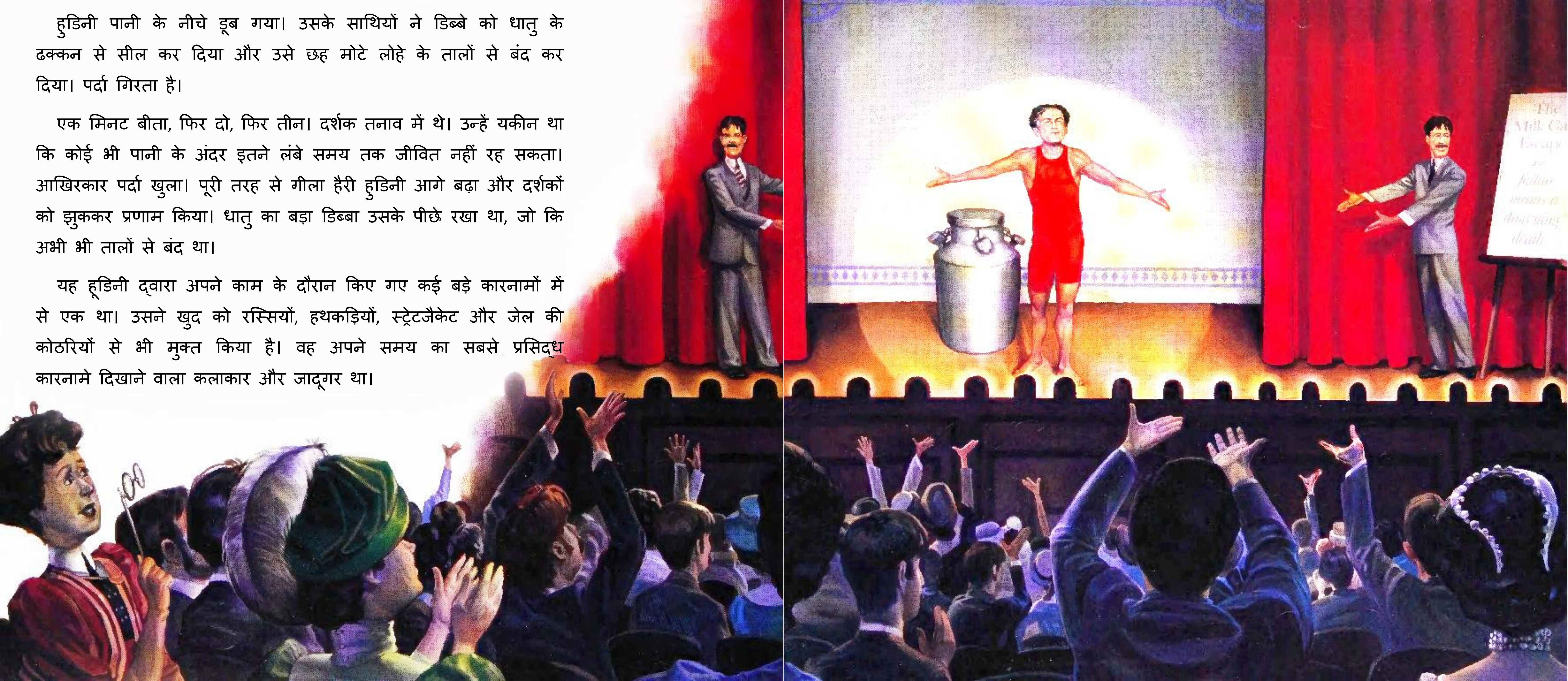
हिंदी: छाया भदौरिया





दो लोगों ने महान हैरी हुडिनी को उठाया और उसे पानी से भरे एक बड़े से डिब्बे में घुसा दिया।

हुडिनी ने अपने श्रोताओं से कहा, "यदि मैं वापस नहीं आ पाया तो, मेरे साथी मेरी जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।"



हुडिनी पानी के नीचे डूब गया। उसके साथियों ने डिब्बे को धातु के ढक्कन से सील कर दिया और उसे छह मोटे लोहे के तालों से बंद कर दिया। पर्दा गिरता है।

एक मिनट बीता, फिर दो, फिर तीन। दर्शक तनाव में थे। उन्हें यकीन था कि कोई भी पानी के अंदर इतने लंबे समय तक जीवित नहीं रह सकता। आखिरकार पर्दा खुला। पूरी तरह से गीला हैरी हुडिनी आगे बढ़ा और दर्शकों को झुककर प्रणाम किया। धातु का बड़ा डिब्बा उसके पीछे रखा था, जो कि अभी भी तालों से बंद था।

यह हूडिनी द्वारा अपने काम के दौरान किए गए कई बड़े कारनामों में से एक था। उसने खुद को रस्सियों, हथकड़ियों, स्ट्रेटजैकेट और जेल की कोठरियों से भी मुक्त किया है। वह अपने समय का सबसे प्रसिद्ध कारनामे दिखाने वाला कलाकार और जादूगर था।



हैरी हुडिनी का जन्म 24 मार्च, 1874 को बुडापेस्ट, हंगरी में हुआ था। उनके माता-पिता, रब्बी मेयर सैमुअल और सेसिलिया वीज़ ने उनका नाम एरिक रखा था। वे उनके छह बच्चों में से एक थे। एरिक के जन्म के कुछ समय बाद, उनके पिता ने परिवार के नाम की स्पेलिंग बदलकर वीस रख दी और अपने परिवार को एपलटन, विस्कॉन्सिन ले गए। वहाँ एरिक के पिता शहर के नए आराधनालय के रब्बी बन गए।

रब्बी वेइस, जिन्होंने कभी अंग्रेज़ी नहीं सीखी थी, जल्द ही अपनी नौकरी खो बैठे। परिवार मिल्वौकी चला गया, जहाँ रब्बी वेइस हिब्रू की शिक्षा देते थे। यह काम उनके लिए बहुत ही कम था, इसलिए युवा एरिक ने अख़बार बेचकर और जूते पॉलिश करके अपने परिवार की मदद की।

जब शहर में घूमने वाले सर्कस आते थे, एरिक जादूगरों को देखता था। वह उनके करतबों को स्वयं करने की कोशिश करता था। नौ साल की उम्र में उसे "पाँच सेंट" वाले सर्कस में नौकरी मिल गई। वहाँ पर वे लंबे लाल मोज़े पहनते थे और खुद को "हवा का राजकुमार" कहते थे।

ग्यारह साल की उम्र में उन्होंने स्थानीय ताला बनाने वाले के पास नौकरी कर ली। वहाँ वे अक्सर तालों से खेलते थे और जल्द ही बिना चाबी के सभी ताले खोलने लगे। वे ताला खोलने के लिए पिन और मुड़े हुए तार के टुकड़ों का इस्तेमाल करते थे।





बारह साल की उम्र में एरिक घर से भाग गए। वे भटकते रहे, छोटे-मोटे काम करते रहे और जब भी मौका मिला जादू दिखाते रहे। कुछ समय के लिए वे भागने वाले कलाकार के रूप में एक सर्कस में शामिल हो गए। उन्होंने खुद को "एरिक द ग्रेट" कहा।

1887 में वेइस परिवार न्यूयॉर्क शहर चला गया, जहाँ एरिक के पिता को उम्मीद थी कि उन्हें काम मिल जाएगा। एरिक भी उनके साथ काम करने लगे। वहाँ उन्होंने डिपार्टमेंट स्टोर मैसेंजर, फ़ोटोग्राफ़र के सहायक और नेकटाई कटर के रूप में काम किया। लेकिन उनका जुनून तो जादू दिखाना था।



एरिक ने एक किताब पढ़ी, मेमोयर्स ऑफ रॉबर्ट-हाउडिन, जो उन्नीसवीं सदी के फ्रांसीसी जादूगर थे। 1891 में एरिक ने अपना पहला नाम बदलकर हैरी रख लिया, जो हैरी केलट, एक लोकप्रिय अमेरिकी जादूगर के नाम पर था, और अपने परिवार का नाम वेइस से बदलकर हुडिनी रख लिया। अंत में जोड़ा गया "i" का मतलब था "हुडिन जैसा।"

1894 की शुरुआत में हैरी की मुलाक़ात बीट्राइस "बेस" रेमंड से हुई, जो एक गायिका और नर्तकी थी। वे एक-दूसरे से प्यार करने लगे और 22 जुलाई 1894 को उन्होंने शादी कर ली।



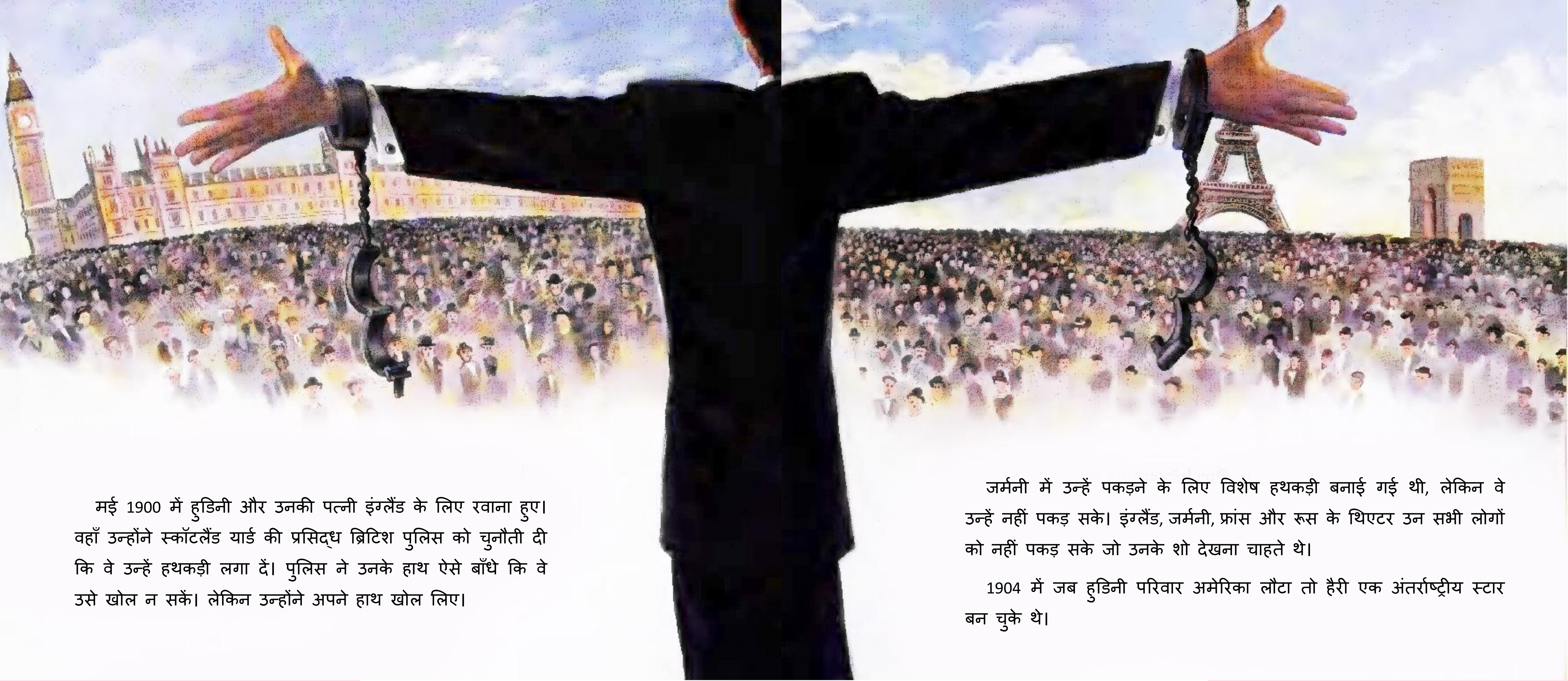
बेस अपने पति का ख्याल रखती थी। जब वे परफॉर्म करते थे, वह अक्सर उनकी सहायक के रूप में मंच पर होती थी। उसने अपने पति को "दुनिया का सबसे असहाय आदमी" बताया।

एक बार जब बेस उनके साथ यात्रा नहीं कर सकी, तो उसने उनकी यात्रा के लिए सामान पैक किया और प्रत्येक शर्ट पर लेबल लगा दिया ताकि हुडिनी को पता चल जाए कि उसे कब पहनना है। लेकिन इसका कोई फ़ायदा नहीं हुआ। जब वे घर लौटे, तो सभी शर्ट लेबल लगी हुई अभी भी उनके बैग में थीं। वह हफ़्तों तक एक ही शर्ट पहने रहे।

पहले तो हुडिनी का अभिनय बहुत साधारण था। उन्होंने कार्ड ट्रिक्स दिखाए और एक ट्यूब में से रूमाल खींचा और उसका रंग बदल गया। लेकिन फिर उन्होंने भागने की ट्रिक्स जोड़ी और जनता का बहुत ध्यान आकर्षित किया।

हुडिनी जिस भी शहर में गए, वहाँ पुलिस स्टेशन में उन्होंने स्वयं को कैद करने की गुहार लगाई। उन्होंने तुरंत खुद को मुक्त भी कर लिया। उनके भागने की अख़बारों में छपी ख़बरें लोगों को उनके शो में ले आईं।





मई 1900 में हुडिनी और उनकी पत्नी इंग्लैंड के लिए रवाना हुए। वहाँ उन्होंने स्कॉटलैंड यार्ड की प्रसिद्ध ब्रिटिश पुलिस को चुनौती दी कि वे उन्हें हथकड़ी लगा दें। पुलिस ने उनके हाथ ऐसे बाँधे कि वे उसे खोल न सकें। लेकिन उन्होंने अपने हाथ खोल लिए।

जर्मनी में उन्हें पकड़ने के लिए विशेष हथकड़ी बनाई गई थी, लेकिन वे उन्हें नहीं पकड़ सके। इंग्लैंड, जर्मनी, फ्रांस और रूस के थिएटर उन सभी लोगों को नहीं पकड़ सके जो उनके शो देखना चाहते थे।

1904 में जब हुडिनी परिवार अमेरिका लौटा तो हैरी एक अंतर्राष्ट्रीय स्टार बन चुके थे।

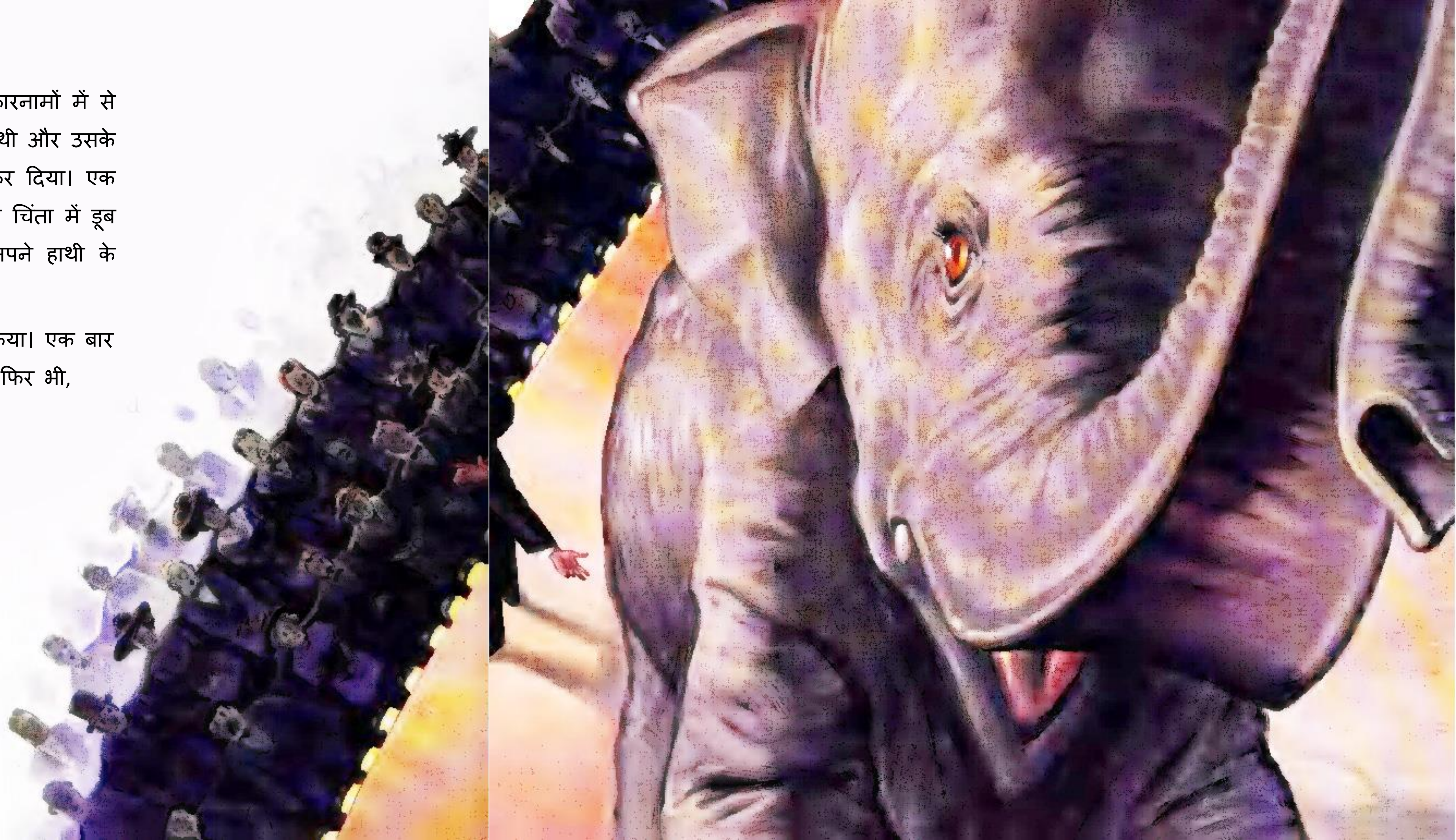
1907 में हुडिनी ने पहली बार पुल से छलाँग लगाई। उन्हें जंजीरों में जकड़ा गया था, फिर उन्होंने रोचेस्टर, न्यूयॉर्क के पुल से नीचे बर्फीले पानी में छलाँग लगा दी। वे जल्द ही जंजीरों से मुक्त और सुरक्षित बाहर निकल आए।

7 जुलाई, 1912 को, हुडिनी ने अपने सबसे खतरनाक कारनामों में से एक किया। वह एक ताबूत के अंदर चढ़ गए जिसे फिर कीलों से बंद कर दिया गया, रस्सियों और स्टील की पट्टियों से बाँध दिया गया, और न्यूयॉर्क के गवर्नर्स आइलैंड के पास पानी में फेंक दिया गया। एक मिनट से भी कम समय में हुडिनी आज़ाद हो गए।

उनकी यह तरकीब बहुत बड़ी खबर बनकर फैल गई। लोग उन्हें फिर से ऐसा करते देखने के लिए उत्सुक थे, इसलिए न्यूयॉर्क के एक थिएटर में स्टेज पर एक बहुत बड़ा पानी का टैंक रखा गया। रात-रात भर हुडिनी को एक डिब्बे में बंद करके पानी में फेंक दिया जाता था, और रात-रात भर वह बाहर निकलते रहते थे।

7 जनवरी, 1918 को, अपने सबसे बड़े कारनामों में से एक में, हुडिनी ने एक 10,000 पाउंड के हाथी और उसके प्रशिक्षक को लकड़ी के कैबिनेट से गायब कर दिया। एक अखबार समीक्षक ने लिखा, "मैटिनी की भीड़ चिंता में डूब जाएगी," "इस आश्चर्य से कि हुडिनी ने अपने हाथी के साथ क्या किया।"

हुडिनी ने अपने दर्शकों को निराश नहीं किया। एक बार प्रदर्शन करते समय उनका टखना टूट गया। फिर भी, उन्होंने शो खत्म करने पर जोर दिया।



प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हुडिनी ने अमेरिकी सैनिकों के लिए निःशुल्क शो आयोजित किए। एक शो में उन्होंने झंडे से एक चील को खींच लिया। उन्होंने हवा से सोने के सिक्के भी निकाले और उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में सैनिकों की ओर फेंक दिया।

1913 में हुडिनी की माँ सेसिलिया वीस की मृत्यु हो गई। हुडिनी को उनकी बहुत याद आती थी; और उनसे फिर से जुड़ने की उम्मीद में, वह अध्यात्मवादियों के पास गए, जो कहते थे कि वे मृतकों से बात कर सकते हैं। वह जिन लोगों से मिले, वे सभी नकली थे और उनकी चालाकी ने उन्हें परेशान कर दिया। उन्होंने अक्सर अपने अभिनय के हिस्से के रूप में मंच से उनका पर्दाफाश किया।





22 अक्टूबर, 1926 को, हुडिनी मॉन्ट्रियल, कनाडा में थे। कुछ छात्र उनके ड्रेसिंग रूम में आए और पूछा कि क्या यह सच है कि वह इतने मजबूत हैं कि वह बिना चोट खाए मुक्का झेल सकते हैं। हुडिनी ने कहा कि यह सच है। फिर, इससे पहले कि वह अपने पेट की मांसपेशियों को कस पाते, एक छात्र ने उन्हें कई बार मुक्का मारा। हुडिनी गिर गए।

हुडिनी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, लेकिन फिर भी उन्होंने उस दिन और अगले दिन प्रदर्शन किया। लेकिन 24 अक्टूबर, 1926 को वे बेहोश हो गए। उनके पेट पर लगी चोटों के कारण उनका अपेंडिक्स फट गया था, जो सूज गया था और संक्रमित हो गया था।



कुछ दिनों बाद, अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए, उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा, "मैं लड़ते-लड़ते थक गया हूँ। लगता है यह चीज़ मुझे पकड़ लेगी।"

31 अक्टूबर, 1926 को हैरी हुडिनी की मृत्यु हो गई। उनके शव को न्यूयॉर्क शहर भेज दिया गया। 4 नवंबर, 1926 को उनके अंतिम संस्कार में दो हज़ार से ज़्यादा लोग शामिल हुए।

"वह असाधारण व्यक्ति थे, उनका व्यक्तित्व अद्‌वितीय था," रब्बी ने सेवा में कहा, "और इसके अलावा, वह सबसे महान और मधुर व्यक्तियों में से एक थे।"